Publication: The Economic Times-Hindi

Headline: For Investors Gold proves to be a real investment

Edition: All India

Date: 12th March, 2011

Coverage –

निवेशकों की कसौटी पर सोना सबसे खरा

दाम रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब रहने के बाद भी सोने की खरीदारी में ग्राहकों की रुचि बरकरार

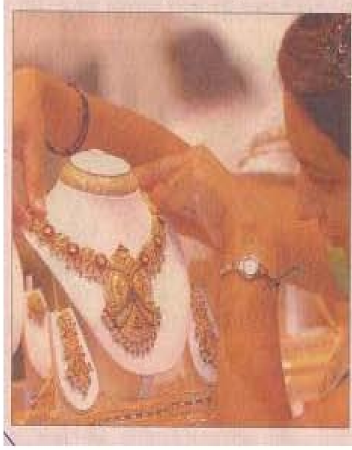

ईटी ब्यूरो
नई दिल्ली | अहमदाबाद

सोने के दाम 21,000 रुपए प्रति दस ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर बने हुए हैं और कोई भी इसकी शिकायत नहीं कर रहा। यहां तक कि आम ग्राहक भी नहीं। नेहा पटेल का कहना है, 'आखिरकार यह सोना है। कीमतें आने वाले वक्त में भी बढ़नी जारी रहेंगी।' इस गृहिणी ने अपनी भतीजी की शादी के मौके पर तोहफा देने के लिए गुरुवार को 21,200 रुपए के स्तर पर 25 ग्राम सोना खरीदा। ज्वैलर का कहना है कि ऊंची कीमतों के बावजूद रिटेल खरीदारी में कोई कमी दर्ज नहीं की जा रही और वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल भी इसी बात को सही ठहरा रही है।

अहमदाबाद के एबी ज्वैल्स के मनोज सोनी ने कहा, 'ग्राहकों की सोच में बदलाव आया है और लोग जब कभी जरूरत पड़ती है, सोना खरीदते रहते हैं, भले दाम कुछ भी हो। वास्तव में अगर कीमतें 21,000 रुपए के स्तर से ऊपर बनी रहती हैं, तो 20 मार्च के बाद नए सिरे से खरीदारी देखने को मिलेगी, जब शादी का सीजन शुरू हो जाएगा।' सोनी ने कहा कि पहले जब सोना रिकॉर्ड स्तरों के करीब पहुंचता था तो ज्वैलरों की दुकानों से ग्राहक गायब हो जाया करते थे। अब ऐसा नहीं है। आज अगर कीमतें बढ़ती हैं तो भी इस उम्मीद में खरीदारी जारी रहती है कि आगे इसमें और इजाफा होगा। उन्होंने कहा, 'बीते दो दिनों में ग्राहकों की तादाद में कमी आई है। सोने की ऊंची कीमत इसकी एक वजह हो सकती है। लेकिन अगर कीमतें इसी स्तर पर बनी रहती हैं तो ग्राहक इसकी शिकायत नहीं करेंगे।'

ग्रामीण इलाकों में मांग अच्छी

ग्रामीण इलाकों से मांग बढ़ती दिख रही है, क्योंकि मानसून बढ़िया रहा है। अनाज की ऊंची कीमतों से भी किसानों को फायदा हुआ है

बॉम्बे बुलियन एसोसिएशन ने ऊंची कीमतों पर भी सोने की खरीद देखी है। बीबीए के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी ने कहा, 'लोग इस बात पर भरोसा करने को तैयार नहीं थे कि सोना 17,000 का स्तर पार कर जाएगा। हालांकि कीमतें बढ़ने के बाद अब ग्राहकों का भी खरीदारी पर भरोसा बढ़ रहा है। खास तौर से ग्रामीण इलाकों से मांग बढ़ती दिख रही है, क्योंकि मानसून बढ़िया रहा है। अनाज की ऊंची कीमतों से भी किसानों को फायदा हुआ है।' कोठारी ने कहा कि सोने के दाम पूरी दुनिया में बढ़े हैं। मुंबई में 21,000 रुपए के स्तर से ऊपर हर रोज 500 किलोग्राम प्रतिदिन की खरीद देखने को मिली है। उन्होंने कहा, 'हमने रियल एस्टेट के दामों में भारी उछाल देखा है और ज्यादातर निवेशक मौजूदा उच्चतम स्तरों पर रियल्टी में निवेश करने को सही नहीं पा रहे हैं। इसलिए वे सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की ओर देख रहे हैं, जो उन्हें ऊंची मुद्रास्फीति दर के खिलाफ सुरक्षा मुहैया कराता है।' सोना फरवरी 2009 में 16,000 रुपए प्रति दस ग्राम का स्तर पार कर गया था, जिससे ग्राहकों में परेशानी पैदा हो गई थी। छह महीने पहले नवंबर में सोना 17,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया था और अगस्त 2010 में यह 20,000 रुपए से ऊपर चला गया था। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, सोने में ज्वैलरी की मांग 746 टन थी, जो 1998 में ज्वैलरी की रिकॉर्ड मांग से 13 फीसदी ज्यादा है और 2009 की तुलना में यह 69 फीसदी अधिक है।